एक सहारा राम तुम्हारा

तेरा सहारा,
इक तेरा सहारा,
तेरा सहारा
इक तेरा सहारा,
एक सहारा राम तुम्हारा,
एक सहारा राम तुम्हारा,
एक सहारा राम तुम्हारा,
बाक़ी सब जग माया,
तुमने थामा हाथ हमारा,
जब कोई काम ना आया,
ऐक सहारा,
राम तुम्हारा,
ऐक सहारा,
राम तुम्हारा,
तेरा सहारा
इक तेरा सहारा,
तेरा सहारा
इक तेरा सहारा।

राम तुम्हारी शरण में आकर,
और कहाँ अब जाऊँ,
चरनों की धूली बन कर मैं,
ख़ुशक़िस्मत कहलाऊँ,
मन दर्पन में अपने,
साहिल रूप तुम्हारा पाऊँ,
एक सहारा राम तुम्हारा
एक सहारा राम तुम्हारा...

तन को रोज़ सजाऐ मानुष
मन पर मैल चढ़ाऐ
अजर अमर जैसे हो काया
कुछ ऐसे इतराऐ
तन को रोज़ सजाऐ,
मानुष मन पर मैल चढ़ाऐ,
अजर अमर जैसे हो,
काया कुछ ऐसे इतराऐ,
माटी का तन
माटी होकर
माटी में मिल जाऐ
एक सहारा राम तुम्हारा,
एक सहारा राम तुम्हारा।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25133/title/ek-sahara-ram-tumhara

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |